1. रेबेका ग्रिनस्पैन अंकटाड (UNCTAD) की पहली महिला अध्यक्ष बनीं

- 11 जून, 2021 को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (UNCTAD) के अध्यक्ष पद के लिए रेबेका ग्रिनस्पैन (Rebeca Grynspan) के नामांकन को मंजूरी दी है। वह कोस्टा रिका की अर्थशास्त्री हैं। वह जिनेवा स्थित संगठन, UNCTAD का नेतृत्व करने वाली पहली महिला और मध्य अमेरिकी होंगी। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस द्वारा उन्हें UNCTAD के महासचिव के रूप में नामित किया गया था ।
- रेबेका ग्रिनस्पैन (Rebecca Grynspan) वर्ष 2014 से इबेरो-अमेरिकन जनरल सेक्रेटेरिएट (Ibero-American General Secretariat) की महासचिव रही हैं। यह सचिवालय इबेरो-अमेरिकन शिखर सम्मेलन (Ibero-American Summits) की तैयारियों का समर्थन करता है। उन्होंने वर्ष 2010 से 2014 तक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की उप-प्रशासक के रूप में भी काम किया है। उन्होंने लैटिन अमेरिका और कैरिबियन के लिए UNDP के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में भी काम किया है।

❑ **व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (United Nations Conference on Trade and Development-UNCTAD)**

- यह वर्ष 1964 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित एक स्थायी अंतर-सरकारी निकाय है। इसका मुख्यालय जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में है। इसका गठन मुख्य तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकासशील देशों के विकास-अनुकूल एकीकरण को बढ़ावा देने हेतु किया गया था। यह संयुक्त राष्ट्र सचिवालय का एक हिस्सा है जो व्यापार, निवेश और विकास संबंधी मुद्दों से संबंधित है। यह संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा स्थापित किया गया था और यह संयुक्त राष्ट्र महासभा (United Nations General Assembly) और संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद (United Nations Economic & Social Council-ECOSOC) को रिपोर्ट करता है।

❑ **इसके द्वारा प्रकाशित कुछ रिपोर्ट हैं:-**

1. व्यापार और विकास रिपोर्ट (Trade and Development Report)

SarkariExam.com

2. विश्व निवेश रिपोर्ट (World Investment Report)
3. ग्लोबल इन्वेस्टमेंट ट्रेंड मॉनीटर रिपोर्ट (Global Investment Trend Monitor Report)
4. न्यूनतम विकसित देश रिपोर्ट (The Least Developed Countries Report)
5. सूचना एवं अर्थव्यवस्था रिपोर्ट (Information and Economy Report)
6. प्रौद्योगिकी एवं नवाचार रिपोर्ट (Technology and Innovation Report)
7. वस्तु तथा विकास रिपोर्ट (Commodities and Development Report)

2. यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्र ग्रह का अध्ययन करने के लिए एनविज़न (EnVision) ऑर्बिटर की घोषणा

- 10 जून, 2021 को यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (European Space Agency-ESA) ने शुक्र ग्रह (Venus) का अध्ययन करने के लिए 'एनविज़न' (EnVision) नामक अपनी प्रोब की घोषणा की है। एनविज़न (EnVision) शुक्र ग्रह के ऊपर चक्कर लगाने वाला अगला ऑर्बिटर होगा। इस मिशन का उद्देश्य शुक्र ग्रह के वायुमंडल और सतह का अध्ययन करना है तथा यह पता लगाएगा कि कैसे और क्यों शुक्र और पृथ्वी इतने अलग-अलग विकसित हुए।
- इसे 2030 के दशक में लॉन्च किए जाने की संभावना है। यह मिशन एरियन 6 रॉकेट से लॉन्च किया जाएगा। अंतरिक्ष यान को शुक्र तक पहुंचाने में लगभग 15 महीने लगेंगे। यह एक ऑर्बिटर मिशन है।

❑ शुक्र ग्रह वैज्ञानिकों को क्यों आकर्षित कर रहा है?

- आंतरिक सौर मंडल में शुक्र ग्रह पृथ्वी का निकटतम पड़ोसी है। यह आकार और संरचना में पृथ्वी के समान है। इसके बावजूद दोनों ग्रहों का अलग-अलग विकास हुआ है। शुक्र ग्रह, पृथ्वी की तरह रहने योग्य नहीं है, लेकिन इसने गंभीर जलवायु परिवर्तन देखे हैं। इसने एक जहरीला वातावरण विकसित किया है जो घने सल्फ्यूरिक एसिड युक्त बादलों से घिरा हुआ है।

❑ शुक्रयान मिशन (Shukrayaan Mission)

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (Indian Space Research Organisation-ISRO) शुक्र ग्रह हेतु भी एक मिशन की योजना बना रहा है, जिसे अस्थायी रूप से शुक्रयान नाम दिया गया है।

❑ शुक्र ग्रह के लिए अन्य मिशन

1. हाल ही में, नासा द्वारा, शुक्र ग्रह के लिए, डाविंसी प्लस (DAVINCI +) तथा वेरिटास (VERITAS) नामक दो मिशनों का चयन किया गया है।
2. इससे पहले, ESA के नेतृत्व में 'वीनस एक्सप्रेस' (Venus Express) (2005-2014) नामक एक मिशन भेजा गया था। इसका उद्देश्य वायुमंडलीय अनुसंधान करना और ग्रह की

सतह पर ज्वालामुखीय हॉटस्पॉट का पता लगाना था।

3. शुक्र ग्रह के लिए भेजा जाने वाला पहला अंतरिक्ष यान, सोवियत संघ द्वारा विकसित 'वेनेरा सीरीज' (Venera series) का था, इसके बाद नासा के मैगलन (Magellan) मिशन (1990-1994) ने शुक्र ग्रह का अध्ययन किया।
4. फ़िलहाल, जापान का अकात्सुकी मिशन (Akatsuki mission) अपनी कक्षा से शुक्र ग्रह का अध्ययन कर रहा है।

❑ **यूरोपीय अंतरिक्ष संस्थान (EUROPEAN SPACE AGENCY-ESA)**

- यह 22 सदस्य देशों वाला एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो यूरोप की अंतरिक्ष क्षमता के विकास को प्रदर्शित करता है। यह अपने सदस्यों के वित्तीय और बौद्धिक संसाधनों को समन्वित करता है। यह यूरोपीय देशों के बाहर भी अपने कार्यक्रम और गतिविधियों को संचालित करता है।
- ESA का मुख्यालय पेरिस में स्थित है। इसकी स्थापना वर्ष 1975 में हुई थी। ESA का अंतरिक्ष पत्तन (SPACE PORT) दक्षिण अमेरिका के फ्रेंच गुयाना में स्थित है।

3. कोरोना से अनाथ हुए बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठाएगी राजस्थान सरकार, 2500 रुपये प्रतिमाह तथा बालिग होने पर 5 लाख रुपये दिए जाएंगे

दैनिक भास्कर

राजस्थान में कोरोना पीड़ित अनाथ और विधवाओं को ये मिलेगा पैकेज

अनाथ बच्चों के लिए
- तत्काल 1 लाख रुपए की सहायता राशि मिलेगी।
- 18 साल की उम्र होने तक हर महीने 2500 रुपए मिलेंगे।
- 18 साल की उम्र पूरी होने पर एकमुश्त 5 लाख रुपए की सहायता
- कॉलेज में पढ़ने वाली बच्चियों को सरकारी हॉस्टल से प्रवेश।
- कॉलेज में पढ़ने वाले बच्चों को डीबीटी वाउचर योजना का लाभ।

विधवा महिलाओं के लिए ये सुविधा
- एक लाख रुपए की एकमुश्त सहायता मिलेगी।
- 1500 रुपए प्रतिमाह विधवा पेंशन तत्काल स्वीकृत होगी।
- विधवा महिलाओं के बच्चों को 1000 रुपए प्रतिमाह सहायता।
- स्कूल की ड्रेस और किताबें खरीदने के लिए 2000 रुपए सालाना।

- राजस्थान सरकार ने कोरोना महामारी के कारण अनाथ हुए बच्चों की समुचित परवरिश के लिए 12 जून, 2021 को 'मुख्यमंत्री कोरोना बाल कल्याण योजना' की घोषणा की जिसके तहत ऐसे बच्चों की पढ़ाई व परवरिश का खर्च राज्य सरकार उठाएगी।
- इस योजना के तहत कोरोना के कारण माता-पिता दोनों को अथवा एकल जीवित माता या पिता को खोने वाले बेसहारा बच्चों को तत्काल सहायता के रूप में 01 लाख रूपये का एकमुश्त अनुदान तथा 18 वर्ष पूरे होने तक 2500 रूपये की राशि प्रतिमाह दी जाएगी। अनाथ बालक-बालिका के 18 वर्ष की उम्र होने पर उसे 5 लाख रूपये एकमुश्त सहायता दी जाएगी। ऐसे बच्चों को 12वीं कक्षा तक पढाई की सुविधा आवासीय विद्यालय अथवा छात्रावास के माध्यम से नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

SarkariExam.com

- कोविड-19 महामारी के कारण बेसहारा हुई कॉलेज में अध्ययनरत छात्राओं को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। कॉलेज में पढ़ने वाले बेसहारा छात्रों को 'अंबेडकर डीबीटी वाउचर योजना' का लाभ मिलेगा। कोविड महामारी से प्रभावित निराश्रित युवाओं को 'मुख्यमंत्री युवा संबल योजना' के तहत बेरोजगारी भत्ता दिए जाने में प्राथमिकता दी जाएगी।
- इस महामारी के कारण अपने पति को खो चुकी विधवा महिलाओं को भी राज्य सरकार द्वारा एकमुश्त एक लाख रूपये की सहायता अनुदान के रूप में दी जाएगी। साथ ही, ऐसी विधवाओं को प्रतिमाह डेढ़ हजार रूपये विधवा पेंशन दी जाएगी। इसके लिये आयु वर्ग एवं आय की कोई भी सीमा नहीं होगी। इन विधवाओं के बच्चों को निर्वाह के लिए एक हजार रूपये प्रतिमाह तथा स्कूल ड्रेस एवं किताबों के लिए दो हजार रूपये सालाना प्रति बच्चा दिया जाएगा।

4. गूगल दुनिया में सबसे लंबी समुद्री केबल की स्थापना करेगा

- हाल ही में दिग्गज टेक कंपनी गूगल ने दुनिया की सबसे लंबी अंडरसी केबल (world's longest undersea cable) का निर्माण करने की घोषणा की है, जो इंटरनेट कनेक्शन क्षमता को मज़बूत करने के लिये संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्राज़ील, उरुग्वे और अर्जेंटीना को जोड़ेगी। गूगल के मुताबिक, 'फर्मिना' नामक यह केबल दुनिया की सबसे लंबी अंडरसी केबल होगी। 'फर्मिना' दक्षिण अमेरिका में उपयोगकर्त्ताओं के लिये गूगल सेवाओं तक पहुँच में सुधार करेगी।
- 12 फाइबर पेअर के साथ यह केबल उत्तर और दक्षिण अमेरिका के बीच ट्रैफिक को तेज़ी से और सुरक्षित रूप से पहुँचाने में मदद करेगी, जिससे उपयोगकर्त्ता गूगल उत्पादों जैसे सर्च इंजन, जीमेल और यूट्यूब के साथ-साथ गूगल क्लाउड जैसी सेवाओं का आसानी से उपयोग कर सकेंगे।
- ज्ञात हो कि यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब कोविड-19 महामारी के कारण वर्क फ्रॉम होम, ऑनलाइन खरीदारी, ऑनलाइन एंटरटेनमेंट आदि में बढ़ोतरी के कारण इंटरनेट तथा क्लाउड सेवाओं की मांग में भी वृद्धि दर्ज की जा रही है। इस अंडरसी केबल को अमेरिकी कंपनी 'सबकॉम' द्वारा डिज़ाइन एवं स्थापित किया जाएगा और यह वर्ष 2023 के अंत तक तैयार हो जाएगी।

❑ **फर्मिना का महत्व (Significance of Firmina)**

- फर्मिना समुद्री केबल दक्षिण अमेरिका में यूजर्स के लिए गूगल सेवाओं तक पहुंच को बेहतर बनाएगी। इसमें 12 फाइबर जोड़े शामिल होंगे जो उत्तर और दक्षिण अमेरिका के बीच ट्रैफिक को जल्दी और सुरक्षित रूप से ले जाएंगे। इस

प्रकार यह यूजर्स को जीमेल, सर्च, यूट्यूब और गूगल क्लाउड सेवाओं जैसे गूगल उत्पादों के लिए तेज पहुंच प्रदान करेगा।

- **अल्फाबेट (Alphabet Inc)**
- यह एक अमेरिकी कंपनी है, जिसका मुख्यालय कैलिफ़ोर्निया में है। 02 अक्टूबर, 2015 को गूगल का पुनर्गठन करके इसे बनाया गया था। यह गूगल और उसकी अन्य सहायक कंपनियों की पैरेंट कंपनी है। यह राजस्व के हिसाब से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनी है।

5. जीएसटी काउंसिल की 44वीं बैठक संपन्न, ब्लैक फंगस की दवा पर कोई टैक्स नहीं, वहीं कोविड की वैक्सीन पर 5% टैक्स रहेगा जारी

- 12 जून, 2021 को जीएसटी काउंसिल की 44वीं बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोविड-19 संबंधित आवश्यक वस्तुओं पर 'कर की दर' में कटौती की घोषणा की है।
- कोविड-19 और ब्लैक फंगस की दो दवाओं टोसिलिजुमैब और एम्फोटेरिसिन बी पर लगने वाला जीएसटी को समाप्त कर दिया गया है। बैठक में कोविड की वैक्सीन पर 5% GST को जारी रखने का फैसला किया गया है।
- इस महामारी से संबंधित 14 आवश्यक वस्तुओं पर कर की दर को घटाकर 5% कर दिया गया है। इन आवश्यक वस्तुओं में टेस्टिंग किट और हैंड सेनीटाइजर भी शामिल हैं जो पहले 12-18% जीएसटी के अंतर्गत शामिल थे। एंबुलेंस सेवा पर अब 12% जीएसटी लगेगा, इससे पहले यह दर 28% थी।
- रेमडेसीवीर सहित अन्य कोविड संबंधी दवाओं पर भी जीएसटी की दर 12 से घटाकर 5% कर दी गई है। ऑक्सीजन सिलिंडर, ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर आदि उपकरणों के साथ ही इलेक्ट्रिक शव- दाह गृह शुल्क को 5% कर दिया गया है।
- राजस्व सचिव तरुण बजाज ने बैठक में बताया कि जीएसटी की यह दर 13 सितंबर, 2021 तक प्रभावी रहेगी, हालाँकि जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया भी जा सकता है।

- **GST परिषद्**
- यह वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Services Tax- GST) से संबंधित मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार को सिफारिश करने के लिये एक संवैधानिक निकाय है। 101वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान के अनुच्छेद 279A(1) में GST परिषद् का प्रावधान किया गया है।
- सदस्य- सभी 28 राज्यों एवं तीन संघ-शासित क्षेत्रों (दिल्ली, पुदुच्चेरी और जम्मू-कश्मीर) के वित्त मंत्री या राज्य सरकार द्वारा निर्वाचित कोई

SarkariExam.com

अन्य मंत्री अर्थात कुल मिलाकर 31 सदस्य होते हैं।

- GST परिषद् की अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री करते हैं। यह एक संघीय निकाय के रूप में माना जाता है जहाँ केंद्र और राज्यों दोनों को उचित प्रतिनिधित्व मिलता है।

❑ **GST परिषद् की मतदान प्रणाली**

- GST परिषद् का प्रत्येक निर्णय उपस्थित और मतदान के 75% भारित बहुमत (तीन चौथाई बहुमत) होने के बाद ही लिया जाता है। भारित बहुमत का सिद्धांत- केंद्र सरकार का मान एक तिहाई वोट माना जाता है। सभी राज्य सरकारों का एक साथ मिलकर कुल मान दो-तिहाई वोट माना जाता है।

❑ **GST परिषद् के कार्य**

- GST परिषद् का कार्य निम्नलिखित विषयों पर केंद्र और राज्यों की सिफारिश करना है -

1. केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय निकायों द्वारा वसूले जाने वाले कर, उपकर तथा अधिशुल्क; जिन्हें GST के अंतर्गत समाहित किया जा सके
2. ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ, जिन्हें GST के अधीन या उससे छूट प्रदान की जा सके
3. आदर्श GST कानून, उद्ग्रहण के सिद्धांत, IGST का बँटवारा और आपूर्ति के स्थान को प्रशासित करने वाले सिद्धांत
4. वह सीमा रेखा, जिसके नीचे वस्तु और सेवा के टर्नओवर को GST से छूट प्रदान की जा सके
5. वह दिनांक, जबसे कच्चे तेल, हाई स्पीड डीजल, मोटर स्पिरिट (पेट्रोल), प्राकृतिक गैस और एविएशन टरबाइन फ्यूल पर GST वसूला जा सके
6. किसी भी प्राकृतिक आपदा या विपदा के दौरान अतिरिक्त संसाधन इकट्ठा करने हेतु किसी विशेष अवधि के लिये कोई विशेष दर या दरें
7. उत्तर-पूर्वी एवं पर्वतीय राज्यों- अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिज़ोरम, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड के संबंध में विशेष प्रावधान
8. GST परिषद् द्वारा यथा निर्णय एवं GST से संबंधित कोई अन्य मामला, जिस पर परिषद् निर्णय ले सकती है।

6. भारत मूल की पत्रकार मेघा राजगोपालन को इंटरनेशनल रिपोर्टिंग कैटेगरी में दिया गया वर्ष 2021 का पुलित्जर पुरस्कार

- 11 जून, 2021 को भारत मूल की पत्रकार मेघा राजगोपालन (Megha Rajagopalan) को अमेरिका के शीर्ष जर्नलिज्म सम्मान पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize) से नवाजा गया है। यह पत्रकारिता के क्षेत्र में दिया जाने वाला अमेरिका का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार है। पुलित्जर अवार्ड का यह 105वाँ साल है जो कोलंबिया

SarkariExam.com

यूनिवर्सिटी के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ जर्नलिज्म में पुलित्जर बोर्ड द्वारा दिया जाता है।

- मेघा राजगोपालन अशांत शिंजियांग प्रांत (चीन) में लाखों मुसलमानों को हिरासत में रखने के लक्ष्य से चीन द्वारा गोपनीय तरीके से बनाए गए जेल और अन्य भवनों के बारे में जानकारी सार्वजनिक की थी। इंटरनेशनल रिपोर्टिंग कैटेगरी में शिंजियांग प्रांत की सीरीज के लिए राजगोपालन को इस पुरस्कार से नवाजा गया है।
- मेघा के साथ इस सम्मान से इंटरनेट मीडिया 'बजफीड न्यूज' के दो पत्रकार भी नवाजे गए हैं। मेघा के अलावा भारतीय मूल के पत्रकार नील बेदी (Neil Bedi) को स्थानीय रिपोर्टिंग कैटेगरी में पुलित्जर सम्मान से नवाजा गया है। उन्होंने टंपा बे टाइम्स (Tampa Bay Times) के लिए एक संपादक के साथ इंवेस्टीगेटिव स्टोरी तैयार की थी जिसमें फ्लोरिडा में कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा बच्चों की तस्करी को लेकर लिखा था।
- बेदी के साथ-साथ कैथलीन मैकग्रॉरी को भी इस सम्मान से नवाजा गया है। मैकग्रॉरी को शेरिफ ऑफिस की एक पहल को उजागर करने वाली सीरीज के लिए पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो भविष्य में अपराध के संदिग्ध लोगों की पहचान करने के लिए कंप्यूटर मॉडलिंग का उपयोग करती है।
- जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या को रिकॉर्ड करने वाली लड़की को पुलित्जर पुरस्कार (Pulitzer Prize) से नवाजा गया है। अमेरिका की डार्नेला फ्रेजियर को पुलित्जर स्पेशल साइटेशन दिया गया। उन्होंने मिनेसोटा में उस घटना को रिकॉर्ड किया था जिस दौरान अश्वेत-अमेरिकन जॉर्ज फ्लॉएड की जान चली गई थी। इसके बाद अमेरिका ही नहीं, दुनियाभर में नस्लीय हिंसा के विरोध में भारी प्रदर्शन हुए थे।
- वर्ष 2020 के पुलित्ज़र पुरस्कार (Pulitzer Prize) में भारत के जम्मू और कश्मीर के 'एसोसिएटेड प्रेस' के तीन फ़ोटोग्राफ़रों चन्नी आनंद (Channi Anand), मुख्तार खान (Mukhtar Khan) और डार यासीन (Dar Yasin) को जम्मू और कश्मीर के विशेष राज्य का दर्जा वापिस लिए जाने के बाद कश्मीर में होने वाले विरोध-प्रदर्शनों के बीच मीडिया कवरेज के लिए फीचर फोटोग्राफी (Feature Photography) श्रेणी में पुरस्कार जीता जबकि अनुश्री फड़नवीस (Anushree Fadnavis) और अदनान आबिदी (Adnan Abidi) ने 'ब्रेकिंग न्यूज़ फोटोग्राफी' श्रेणी में पुरस्कार जीता है।

वर्ष 2021 पुलित्ज़र पुरस्कार विजेताओं की सूची

- पब्लिक सर्विस- द न्यूयॉर्क टाइम्स
- इंटरनैशनल रिपोर्टिंग- मेघा राजगोपालन, ऐलिसन किलिंग, क्रिस्टो बुशेक
- नैशनल रिपोर्टिंग- द मार्शल प्रॉजेक्ट, एएलडॉटकॉम, इंडीस्टार, इनविजिबल इंस्टिट्यूट
- लोकल रिपोर्टिंग- कैथलीन मैकग्रोरी, नील बेदी, टैंपा बे टाइम्स
- ब्रेकिंग न्यूज रिपोर्टिंग-स्टार ट्रिब्यून
- स्पेशल साइटेशन- डेनिऐला फ्रेजियर
- एक्सप्लेनेटरी रिपोर्टिंग- ऐंड्रू चंग, लॉरेंस हर्ली, ऐंड्रिया जनूटा, जाइमी डाओवेल, जैकी बॉट्स, रॉयटर्स

- ब्रेकिंग न्यूज फोटोग्राफर- असोसिएटेड प्रेस फोटोग्राफी स्टाफ
- इतिहास-मार्सिया चैटलेन, फ्रैंचाइजी
- पब्लिक सर्विस- द न्यूयॉर्क टाइम्स
- ऑडियो रिपोर्टिंग- लीसा हेगन, क्रिस हेग्जल, ग्रैहम स्मिथ, रॉबर्ट लिटल
- इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टिंग- मैट रोशेलू, वर्नल कोलमन, लॉरा क्रिमाल्डी, इवान एलेन, ब्रेंडेन मैकार्थी, द बॉस्टन ग्लोब
- पुलित्ज़र पुरस्कार (Pulitzer Prize)
- पुलित्ज़र पुरस्कार को पत्रकारिता के क्षेत्र में अमेरिका का सबसे प्रतिष्ठित सम्मान माना जाता है।
- इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1917 में की गई थी, जिसे कोलंबिया विश्वविद्यालय और 'पुलित्ज़र पुरस्कार बोर्ड' द्वारा प्रशासित किया जाता है। 'पुलित्ज़र पुरस्कार बोर्ड' का निर्माण कोलंबिया विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त न्यायाधीशों द्वारा होता है।
- यह पुरस्कार प्रसिद्ध समाचार पत्र प्रकाशक जोसेफ पुलित्ज़र के सम्मान में दिया जाता है। जोसेफ पुलित्ज़र ने कोलंबिया विश्वविद्यालय में पत्रकारिता स्कूल को शुरू करने तथा पुरस्कार की शुरुआत करने के लिये अपनी वसीयत से पैसा दिया था।
- प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक प्रमाण पत्र और 15 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। 'सार्वजनिक सेवा श्रेणी' में पुरस्कार विजेता को स्वर्ण पदक दिया जाता है।
- यह पुरस्कार कुल 22 श्रेणियों में दिया जाता है। जिसमें पत्रकारिता की 15 श्रेणियों और पुस्तक, नाटक, संगीत आदि की 7 श्रेणियाँ शामिल है।

7. चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेसीकोवा ने जीता फ्रेंच ओपन-2021 में महिला एकल और डबल्स का खिताब

- 12 जून, 2021 को चेक गणराज्य की गैरवरीयता प्राप्त खिलाड़ी बारबोरा क्रेसीकोवा (Barbora Krejcikova) ने फ्रेंच ओपन का महिला एकल खिताब जीत लिया है। वर्ल्ड नम्बर-33 बारबोरा ने फाइनल मुकाबले में वर्ल्ड नम्बर-31 रूस की अनास्तासिया पावलिचेनकोवा को 6-1, 2-6, 6-4 से हराकर यह ख़िताब अपने नाम किया था जबकि अनास्तासिया भी अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीतने के लिए प्रयासरत थी।
- बारबोरा क्रेसीकोवा का यह पहला ग्रैंड स्लैम खिताब है। 40 साल के बाद किसी चेक महिला ने यह खिताब जीता है। बारबोरा से पहले वर्ष 1981 में हाना मेंडलिकोवा ने फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली चेक महिला खिलाड़ी बनी थी।
- इससे पहले बारबोरा क्रेजिकोवा युगल वर्ग में ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं। उन्होंने वर्ष 2018 में

SarkariExam.com

अपनी सहयोगी कैटरिना सिनियाकोवा के साथ मिलकर युगल वर्ग में फ्रेंच ओपन और विंबलडन ओपन का खिताब अपने नाम किया था। वह वर्ष 2021 में युगल वर्ग में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुँची थी लेकिन खिताब नहीं जीत पाई।

- क्रेजीकोवा के कैरियर का यह दूसरा WTA एकल खिताब है। उसने पिछले महीने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में खिताब अपने नाम किया था। फ्रेंच ओपन महिला वर्ग में लगातार छठी बार कोई नयी चैम्पियन बनी है। दूसरी वरीयता प्राप्त और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने एक मैच के बाद मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देकर नाम वापिस ले लिया था।
- इससे पहले क्रेजिकोवा ने सेमीफाइनल में बेहद संघर्ष पूर्ण यूनान की 17वीं वरीय मारिया सकारी 7-5, 4-6, 9-7 से हराया जबकि पावलिचेनकोवा ने स्लोवानिया की तमारा जिदानसेक को 7-5, 6-3 से पराजित किया। ये दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के फाइनल में पहुँची थीं।
- बारबोरा क्रेसीकोवा फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली लातवियाई जेलेना, ओस्टापेंको और इगा स्विएटेक के बाद पिछले 5 वर्षों में तीसरी गैर-वरीयता प्राप्त खिलाड़ी है। 13 जून, 2021 को बारबोरा क्रेसीकोवा ने अपनी सहयोगी कैटरिना सिनियाकोवा के साथ पोलैंड की इगा और अमेरिका की बेथानी माटेक-सैंड्स को हराकर फ्रेंच ओपन का महिला डबल्स का ख़िताब भी जीत लिया है। वर्ष 2000 में फ्रांस की मैरी पियर्स के बाद एकल और युगल दोनों फ्रेंच ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बन गई हैं।
- फ्रेंच ओपन में पुरुष एकल, महिला एकल, पुरुष डबल्स, महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स के तौर पर टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।
- इस साल के आयोजन में पुरुष डबल्स का ख़िताब फ़्रांस फ्रांस के टेनिस खिलाड़ी निकोलस माहुत (Nicolas Mahut) और पियरे ह्यूज हर्बट (Pierre-Hugues Herbert) की जोड़ी ने कजाखिस्तान के एलेक्जेंडर बुबलिक (Alexander Bublik) और आंद्रे गोलुबेव (Andrey Golubev) को हराकर दूसरी बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता हैं।
- हर्बट और मेहुत की जोड़ी फ्रांस की पहली ऐसी जोड़ी बन गई है, जिसने दो बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है।इस जोड़ी का यह पाँचवाँ ग्रैंड स्लैम खिताब है। इससे पहले वे आस्ट्रेलियन ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन का खिताब जीत चुके हैं। जबकि मिक्स्ड डबल्स में डी. क्रव्जिक और जो सालिस्बरी की जोड़ी ने जीत हासिल की हैं।
- 13 जून, 2021 को देर रात पुरुष एकल का फाइनल खेला जाएगा। पुरुष एकल के फाइनल में दुनिया के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic) अपने दूसरे फ्रेंच ओपन खिताब के लिए स्टेफानोस सिटसिपास से भिड़ेंगे।

- [ ] पुरुष एकल का खिताब

- सर्बिया के दिग्गज नोवाक जोकोविच (Novak Djokovic) ने दमदार प्रदर्शन करते हुए फ्रेंच ओपन के पुरुष एकल का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने 13 जून, 2021 को खेले गए फाइनल मैच में ग्रीस के युवा खिलाड़ी

स्टेफानोस सिटसिपास को पाँच सेट तक चले मुकाबले में 6-7, 2-6, 6-3, 6-2, 6-4 से मात दी। उनके करियर का यह दूसरा फ्रेंच ओपन (French Open) खिताब है। जोकोविच ने इससे पहले साल 2016 में पेरिस में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था।

- जोकोविच के करियर का यह 19 वाँ ग्रैंडस्लैम खिताब है। उनसे ज्यादा खिताब रोजर फेडरर और राफेल नडाल के नाम हैं, दोनों ही 20-20 बार ग्रैंडस्लैम के पुरुष एकल में चैंपियन बने हैं। जोकोविच ने इस तरह ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी रॉड लेवर के रिकॉर्ड की बराबरी की जिन्होंने सभी ग्रैंड स्लैम खिताब दो या उससे ज्यादा बार जीते हैं। उनके नाम 11 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं।

- **फ्रेंच ओपन**

- फ्रेंच ओपन को France's International Championships of Tennis के नाम से जाना जाता है। पहली फ्रांसीसी राष्ट्रीय चैंपियनशिप वर्ष 1891 में पुरुषों की इंटरक्लब प्रतियोगिता के रूप में आयोजित की गई थी। वर्ष 1897 में महिला एकल मैचों को इस प्रतियोगिता में शामिल किया गया था। वर्ष 1925 में इस प्रतियोगिता को गैर- फ्रांसीसी प्रतिभागियों के लिए खोला गया।
- वर्ष 1928 में इस प्रतियोगिता का आयोजन फ़्रांस के रोलैंड गैरोस स्टेडियम में किया जाने लगा इसलिए इस प्रतियोगिता को 'रोलैंड गैरोस' के नाम से भी जाना जाता है।

8. फोर्ब्स द्वारा जारी वर्ष 2021 में विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंकों की सूची में DBS Bank रहा भारत में लगातार दूसरे वर्ष प्रथम स्थान पर

- हाल ही में DBS Bank को फोर्ब्स द्वारा विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंकों की सूची 2021 में नामित किया गया है। DBS Bank लगातार दूसरे वर्ष भारत में 30 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बैंकों में से प्रथम स्थान पर है। फोर्ब्स द्वारा 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंकों' की सूची का यह तीसरा संस्करण है, जो मार्केट रिसर्च फर्म स्टेटिस्टा (Statista) के साथ साझेदारी में आयोजित किया गया है। दुनिया भर में 43 हजार से अधिक बैंकिंग ग्राहकों का उनके वर्तमान और पूर्व बैंकिंग संबंधों पर सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण के तहत बैंकों को सामान्य संतुष्टि और विश्वास, डिजिटल सेवाओं, वित्तीय सलाह और शुल्क जैसी प्रमुख विशेषताओं के आधार पर अंक प्रदान किए गए।
- इस रैंकिंग पर डीबीएस बैंक इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ सुरोजीत शोम ने कहा हम लगातार दूसरे वर्ष 'विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंकों' की सूची में शामिल हुए है।

- उन्होंने कहा कि इन वर्षों में हमने एक मजबूत ग्राहक-केंद्रित फ्रेंचाइजी का निर्माण किया है।
- यह पहचान वैश्विक संकट के बीच ग्राहकों का समर्थन करने के लिए हमारे कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शित काम और हमारे उद्देश्य की एक मजबूत भावना को दर्शाती है। हम ग्राहकों से अपने संबंधों को और मजबूत करना जारी रखेंगे और उनकी हर जरूरतों को पूरा करने की कोशिश करेंगे।

भारत के शीर्ष 10बैंकों की सूची

स्थान	बैंक
1	डीबीएस बैंक
2	सीएसबी बैंक
3	आईसीआईसीआई बैंक
4	एचडीएफसी बैंक
5	कोटक महिंद्रा बैंक
6	ऐक्सिस बैंक
7	भारतीय स्टेट बैंक
8	फेडरल बैंक
9	सारस्वत बैंक
10	स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक

- विश्व के सर्वश्रेष्ठ बैंक प्रोजेक्ट के लिए स्टेटिस्टा में लीड एनालिस्ट फेलिक्स कपेल ने कहा कि डीबीएस इंडिया कई मानकों में उत्कृष्ट है। डीबीएस की सामान्य संतुष्टि और ग्राहकों की एडवाइस बहुत अच्छी है। इन कारणों ने डीबीएस को भारत में प्रथम स्थान बनाए रखने में मदद की है।
- अप्रैल, 2021 में डीबीएस बैंक इंडिया को एशियामनी (Asiamoney) द्वारा 'इंडियाज बेस्ट इंटरनेशनल बैंक 2021' (India's Best International Bank 2021) पुरस्कार दिया गया।
- वर्ष 2020 में न्यूयॉर्क स्थित व्यापार प्रकाशन ग्लोबल फाइनेंस द्वारा डीबीएस को लगातार 12वें वर्ष 'एशिया में सबसे सुरक्षित बैंक' नामित किया गया था।
- Global Finance की तरफ से इसे वर्ष 2020 के लिए ही तीसरी बार लगातार 'Best Bank in the World' का पुरस्कार दिया गया।
- 2019 में फाइनैंसियल पब्लिकेशन Euromoney की ओर से इसे 'World's Best Bank' का पुरस्कार मिला।
- वह अपने छोटे और मध्यम आकार के उद्यम व्यवसाय और उपभोक्ता ऋण संचालन को मजबूत करके लगातार विकसित हुआ है।
- नवंबर, 2020 में लक्ष्मी विलास बैंक और डीबीएस बैंक इंडिया लिमिटेड (DBIL) के एक साथ आने से भारत में इसकी उपस्थिति को बढ़ावा मिला। वर्तमान में भारत में इसके 19 राज्यों में 600 शाखाएं हैं।

DBS बैंक

- स्थापना- वर्ष 1968
- प्रबंध निदेशक और सीईओ- सुरोजीत शोम
- DBS बैंक मुख्यालय- सिंगापुर
- DBS बैंक टैग लाइन- Make Banking Joyful

SarkariExam.com

9. इलाहाबाद हाईकोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश बने संजय यादव

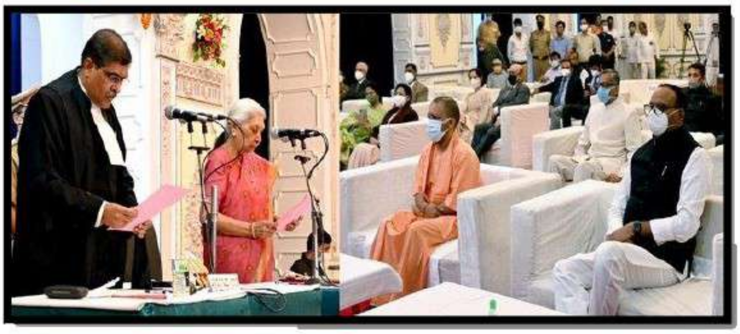

- 13 जून, 2021 को उत्तर प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश संजय यादव को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राजभवन में शपथ दिलाई। जस्टिस संजय यादव 14 अप्रैल, 2021 से अभी तक इलाहाबाद हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाला था। 13 जून से इन्हें पूर्णकालिक मुख्य न्यायमूर्ति के तौर पर शपथ दिलाई गई। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति संजय यादव को मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया था।
- जस्टिस संजय यादव 25 अगस्त, 1986 में अधिवक्ता के पेशे में आए। उसके बाद उन्होंने जबलपुर हाईकोर्ट में वकालत प्रारंभ की। संजय यादव मध्य प्रदेश के डिप्टी एडवोकेट जनरल भी रहे तथा जबलपुर हाईकोर्ट के अपर न्यायाधीश नियुक्त हुए और जनवरी, 2010 में स्थायी न्यायाधीश बन गए।
- उन्होंने दो बार जबलपुर हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का दायित्व भी निभाया। जनवरी, 2021 में वह जबलपुर हाईकोर्ट से ट्रांसफर होकर इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज बने और 14 अप्रैल, 2021 से वह कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का दायित्व निभा रहे थे।

❑ **उच्च न्यायालय**

- भारत में उच्च न्यायालय का सर्वप्रथम गठन भारत परिषद् अधिनियम- 1861 के तहत वर्ष 1862 में कलकत्ता, बंबई और मद्रास उच्च न्यायालयों के रूप में हुआ। वर्ष 1866 में चौथे उच्च न्यायालय की स्थापना इलाहाबाद (प्रयागराज) में हुई।
- भारतीय संविधान के भाग-6 के अनुच्छेद 214 से लेकर 232 तक राज्यों के उच्च न्यायालय के संगठन एवं प्राधिकार संबंधी प्रावधानों का वर्णन किया गया है।
- वर्तमान में 25 उच्च न्यायालय है। 25वाँ उच्च न्यायालय आंध्रप्रदेश राज्य का जो 1 जनवरी, 2019 अमरावती में स्थापित हुआ है।

10. पूर्व ओलिंपियन सूरत सिंह माथुर का हुआ निधन

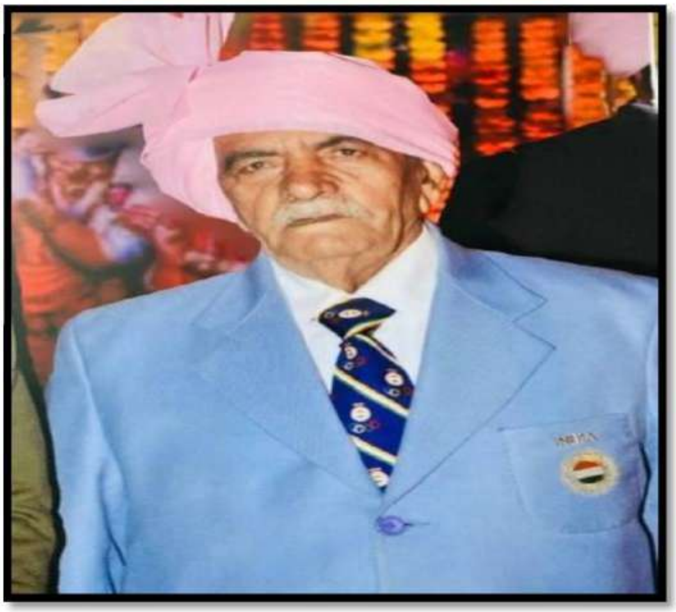

- 11 जून, 2021 को वर्ष 1951 में दिल्ली में आयोजित पहले एशियाई खेलों में मैराथन दौड़

में कांस्य पदक विजेता और वर्ष 1952 के हेलसिंकी ओलिंपिक में भाग लेने वाले सूरत सिंह माथुर का 90 वर्ष की आयु में कोरोना के कारण दिल्ली में निधन हो गया। वह एक ओलिंपियन थे और पहले एशियाई खेलों के पदक विजेता भी थे।

- सूरत सिंह माथुर वर्ष 1952 के हेलसिंकी खेलों में ओलिंपिक मैराथन दौड़ पूरी करने वाले स्वतंत्र भारत के पहले एथलीट थे। सूरत सिंह माथुर से पहले छोटा सिंह वर्ष 1948 के लंदन खेलों में ओलिंपिक मैराथन स्पर्धा में भाग लेने वाले स्वतंत्र भारत के पहले धावक थे, लेकिन वे दौड़ पूरी नहीं कर सके थे। वर्ष 1952 के हेलसिंकी खेलों में ओलिंपिक मैराथन दौड़ को 02 घंटे 58 मिनट 9.2 सेकंड में पूरी करने के साथ वे 52वें स्थान पर रहे थे।
- वर्ष 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण पदक जीता था जबकि माथुर ने कांस्य पदक हासिल किया था। एशियाई खेलों के कांस्य के अलावा, माथुर ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में दो स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था।

❑ **महत्वपूर्ण तथ्य**

- ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी- के.डी.जाधव (कुश्ती)
- ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी-अभिनव बिंद्रा (निशानेबाजी)
- ओलंपिक खेलों में व्यक्तिगत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला-कर्णम मल्लेश्वरी (भारोत्तोलक)

❑ **ओलंपिक**

- ओलंपिक खेलों की उत्पत्ति प्राचीन ग्रीस में हुई थी और ये धार्मिक उत्सव का एक आंतरिक हिस्सा था। यह ग्रीस के ओलंपिया में ज़ीउस (Zeus) (ग्रीक धर्म के सर्वोच्च देवता) के सम्मान में आयोजित किया जाता था। पहले आधुनिक ओलंपिक खेल यूनान की राजधानी एथेंस में वर्ष 1896 में आयोजित किए गए। वर्ष 1948 से हर चार वर्ष में एक बार ओलंपिक आयोजित होते हैं।

❑ **एशियाई खेल**

- पहले एशियाई खेल 04 से 11 मार्च, 1951 के बीच नई दिल्ली में आयोजित हुए थे। 18 अगस्त से 2 सितंबर, 2018 को 18वें एशियाई खेलों का आयोजन इंडोनेशिया के जकार्ता और पालेमबांग में किया गया था। यह पहली बार था जब एशियाई खेलों का आयोजन दो शहरों में किया गया था।
- 19वें एशियाई खेलों का आयोजन वर्ष 2022 में चीन के हांगझोऊ (झेजियांग) शहर में होगा।

SarkariExam.com